विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा - 3

कक्षा : आठवीं

विषय : हिंदी | अधिकतम अंक : 40

दिनांक: 10-01-2025 | समय : 1 घंटा 30 मिनट

सामान्य निर्देश :-

1. यह प्रश्न पत्र चार खण्डों में विभाजित है - 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'
2. प्रश्न पत्र में कुल सात प्रश्न हैं ।
3. प्रश्नोत्तर क्रमशः लिखे जाने चाहिए ।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों की क्रम संख्या व चयनित उत्तर पूर्ण व स्पष्ट रूप से लिखना आवश्यक है ।
5. लिखावट सुंदर और स्पष्ट होनी चाहिए ।

खंड - 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए -

सिनेमा जगत के अनेक नायक-नायिकाओं, गीतकारों, कहानीकारों और निर्देशकों को हिंदी के माध्यम से पहचान मिली है। यही कारण है कि गैर-हिंदी भाषी कलाकार भी हिंदी की ओर आए हैं। समय और समाज के उभरते सच को परदे पर पूरी अर्थवत्ता में धारण करने वाले ये लोग दिखावे के लिए भले ही अंग्रेज़ी के आग्रही हों, लेकिन बुनियादी और ज़मीनी हकीकत यही है कि इनकी पूँजी, इनकी प्रतिष्ठा का एकमात्र निमित्त हिंदी ही है।

लाखों-करोड़ों दिलों की धड़कनों पर राज करने वाले ये सितारे हिंदी फ़िल्म और भाषा के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। 'छोटा परदा' ने आम जनता के घरों में अपना मुकाम बनाया तो लगा हिंदी आम भारतीय की जीवन-शैली बन गई। हमारे आद्यग्रंथों रामायण और महाभारत को जब हिंदी में प्रस्तुत किया गया तो सड़कों का कोलाहल सन्नाटे में बदल गया। 'बुनियाद' और 'हम लोग' से शुरू हुआ सोप ऑपेरा का दौर हो या सास-बहू धारावाहिकों का, ये सभी हिंदी की रचनात्मकता और उर्वरता के प्रमाण हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से करोड़पति चाहे जो बने हों, पर सदी के महानायक की हिंदी हर दिल की धड़कन और हर धड़कन की भाषा बन गई।

सुर और संगीत की प्रतियोगिताओं में कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम जैसे गैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों ने हिंदी गीतों के माध्यम से पहचान बनाई। ज्ञान गंभीर 'डिस्कवरी' चैनल हो या बच्चों को रिझाने-लुभाने वाला 'टॉम एंड जेरी'। इनकी हिंदी उच्चारण की मिठास और गुणवत्ता अद्भुत, प्रभावी और ग्राह्य है। धर्म-संस्कृति, कला-कौशल, ज्ञान-विज्ञान सभी कार्यक्रम हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण हैं।

(i) हिंदी की संप्रेषणीयता के प्रमाण से संबंधित कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए - (1)

(i) गैर-हिंदी क्षेत्रों के कलाकारों द्वारा हिंदी को अपनाना।

(ii) गैर-हिंदी राज्यों के कलाकारों द्वारा हिंदी को अपनी पहचान के रूप में चुनना ।

(iii) डिस्कवरी चैनल का हिंदी में अनुवाद होना।

कूट

(क) केवल कथन **(i)** सही है।

(ख) कथन **(ii)** और **(iii)** सही हैं।

(ग) केवल कथन **(ii)** सही है।

(घ) उपर्युक्त सभी

(ii) प्रस्तुत गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक क्या होगा ? (1)

(क) टी.वी. चैनल का इतिहास (ख) हिंदी भाषा की गुणवत्ता एवं उपयोगिता

(ग) हिंदी भाषा बनाम अंग्रेजी भाषा (घ) हिंदी धारावाहिक

(iii) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए । (1)

कथन (A) गैर-हिंदी भाषी कलाकार हिंदी सिनेमा में आना चाहते थे ।

कारण (R) वे हिंदी के माध्यम से अपनी पहचान बनाना चाहते थे।

(क) कथन (A) गलत है**,** किंतु कारण (R) सही है।

(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों गलत हैं।

(ग) कथन (A) सही है**,** किंतु कारण (R) गलत है।

(घ) कथन (A) सही है और कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) फिल्म और टी. वी. ने हिन्दी के प्रचार प्रसार में क्या भूमिका निभाई है **?** (2)

(v) सदी का महानायक से लेखक का संकेत किस फिल्मी सितारे की ओर है और लोगों पर इनका क्या असर हुआ **?** संक्षेप में लिखिए। (2)

खंड - 'ख'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (1x7=7)

(i) सुदामा को कृष्ण से ऐसी विदाई की (अपेक्षा/उपेक्षा) नहीं थी। (सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए)

(ii) अभ्यास की शक्ति से जड़ व्यक्ति भी विद्वान हो जाता है। रेखांकित शब्द का अर्थ लिखिए)

(iii) काले बादल चारों ओर छा गए हैं । (क्रियाविशेषण का भेद लिखिए)

(iv) स्वतंत्रता (उपसर्ग और प्रत्यय अलग करके लिखिए)

(v) सु + आगत (संधि कीजिए)

(vi) प्रधानाचार्य (समास विग्रह कर भेद लिखिए)

(vii) तिल का ताड़ बनाना (मुहावरे से वाक्य बनाएँ कि अर्थ स्पष्ट हो जाए)

खंड - 'ग'

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (1x4=4)

सरिता के वे दिवस बड़े मजे के थे। हम कभी भूमि को काटते, कभी पेड़ों को खोखला कर उन्हें गिरा देते। बहते-बहते मैं एक दिन एक नगर के पास पहुँची मैंने देखा कि नदी के तट पर एक ऊँची मीनार में से कुछ काली-काली हवा निकल रही है। मैं उत्सुक हो उसे देखने को क्या बढ़ी कि अपने हाथों दुर्भाग्य को न्यौता दिया। ज्योंही मैं उसके पास पहुँची अपने और साथियों के साथ एक मोटे नल में खींच ली गई। कई दिनों तक मैं नल-नल घूमती फिरी। मैं प्रतिक्षण उसमें से निकल भागने की चेष्टा में लगी रहती थी। भाग्य मेरे साथ था। बस, एक दिन रात के समय मैं ऐसे स्थान पर पहुँची जहाँ नल टूटा हुआ था। मैं तुरंत उसमें होकर निकल भागी और पृथ्वी में समा गई। अंदर घूमते-घूमते इस बेर के पेड़ के पास पहुँची ।

(i) नगर के पास बूँद ने क्या देखा ?

(क) बूँद ने नदी के तट पर एक नाव देखी (ख) बूँद ने तट पर एक मशीन देखी

(ग) एक ऊँची मीनार जिसमें से काला धुआँ निकल रहा था (घ) पानी की एक टंकी देखी

(ii) बूँद ने किस दुर्भाग्य को न्योता दिया ?

(क) वह गर्म तवे पर गिर पड़ी (ख) वह गर्म रेत में गुम हो गई

(ग) एक नल ने उसे अपने भीतर खींच लिया (घ) वह एक गहरे कुएँ में गिर पड़ी

(iii) बूँद को बाहर निकलने का मौका किस प्रकार मिला ?

(क) बूँद एक टूटे हुए नल से निकल भागी (ख) बूँद एक लोटे से नीचे गिर गई

(ग) बूँद पानी की टोंटी से निकल भागी (घ) बूँद पेड़ के पत्ते से नीचे गिर गई

(iv) बूँद बेर के पेड़ के पास कैसे पहुँची ?

(क) बादलों से गिरकर (ख) नदी से होकर

(ग) धरती में समा जाने पर बेर के पेड़ ने उसे खींच लिया (घ) झरने के साथ बहकर

4. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए - (1x3=3)

सीस पगा न झँगा तन में, प्रभु! जाने को आहि बसे केहि ग्रामा।
धोती फटी-सी लटी दुपटी, अरु पाँय उपानह को नहिं सामा।
द्वार खड़ो द्विज दुर्बल एक, रह्यो चकिसों बसुधा अभिरामा।
पूछत दीनदयाल को धाम, बतावत आपनो नाम सुदामा।।

(i) इस कविता के रचयिता हैं -

(क) सूरदास (ख) कबीरदास (ग) नरोत्तम दास (घ) नंददास

(ii) सुदामा के पाँव में तो जूते तक नहीं हैं। क्यों ?

(क) सुदामा के जूते रास्ते में कहीं खो गए थे (ख) जूते उनको अच्छे नहीं लगते

(ग) सुदामा को जूते पहनने की आदत नहीं है (घ) जूते पहनना उनके सामर्थ्य से परे है

(iii) 'प्रभु ! जाने को आहि' कविता की इस प्रथम पंक्ति में 'प्रभु' के माध्यम से किसे संबोधित किया गया है ?

(क) द्वारपाल को (ख) सुदामा को (ग) सेनापति को (घ) श्री कृष्ण को

5. निम्नलिखित चार में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए - (3x3=9)

(i) यदि पंडित बिलवासी मिश्र की योज़ना अंग्रेज़ को पता चल जाती तो क्या होता ? तर्क सहित उत्तर लिखिए ।

(ii) ओस की बूँद क्रोध और घृणा से क्यों काँप उठी ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(iii) 'यह सबसे कठिन समय नहीं' कविता कैसा दृष्टिकोण लिए हुए हैं ?

(iv) द्वारका से घर लौटते समय सुदामा मार्ग में क्या-क्या सोचते जा रहे थे ? निराश सुदामा के मन की दुविधा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

खंड - 'घ'

6. नीचे दिए गए प्रस्थान बिंदुओं के आधार पर 100 शब्दों में एक लघु कथा लिखिए- (1x5=5)

सड़क के किनारे भीड़ बढ़ती जा रही थी। एक व्यक्ति काफी देर से दुर्घटना में घायल पड़ा था। भीड़ तमाशबीन बनी हुई थी। लोग मोबाइल में व्यस्त थे। अचानक एंबुलेंस आई और उस युवक को अस्पताल ले गई। डॉक्टरों ने बहुत कोशिश की, पर उसे बचा न सके। यदि समय पर उसे अस्पताल लाया जाता, तो शायद उसकी जान बच जाती, परंतु संवेदनहीन भीड़ उसे तिल-तिल मरते हुए देखती रही।

अथवा

'संगठन में शक्ति' शीर्षक के आधार पर 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

7. अपना पुराना लैपटॉप बेचने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । (1x5=5)

अथवा

अपने खाली पड़े मकान को किराए पर देने के लिए लगभग 60 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए ।